ज्ञान का परिचय देते थे। उनके निधन से राष्ट्र ने एक सच्चा देश भक्त और महान राज-नीतिज्ञ खो दिया है।

हम अपने इस मित्र के निधन पर हार्दिक शोक प्रकट करते हैं और मैं समझता हूं कि सभा संतप्त परिवार के संवेदना संदेश भेजने मेरे साथ शरीक होगी।

**प्रधान मंत्री, परमाणु ऊर्जा मंत्री, इलैक्ट्रानिक्स मंत्री तथा अंतरिक्ष मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी)** : गत वृहस्पतिवार को श्री टी० टी० कृष्णमाचारी के निधन के दुखद समाचार को सुनकर मैं शोक से व्याकुल हूं। मैं एक दुखी मन से सरकार तथा इस सदन के एक सहयोगी के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करने के लिये खड़ी हुई हूं।

श्री कृष्णमाचारी संसद में सुविख्यात थे। यहां उनकी प्रशासनिक गतिशीलता, उनके घोर परिश्रम, वादविवाद में बुद्धिमत्ता, प्रगति और समाज कल्याण के प्रति दृष्टिकोण, अर्थात् विभिन्न क्षेत्रों में उनके ज्ञान का बहुत आदर था। बहुत कम लोगों को व्यापार तथा उद्योग की बारीकियों का गहन ज्ञान होता है। हमारी अर्थ व्यवस्था को नया रूप देने, उद्योगों की स्थापना करने, मशीन निर्माण सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करने में उनका योगदान अतुल्य रहा है। वह लोगों की निष्क्रियता को दूर करने तथा नौकरशाही के विरोध अथवा किसी अन्य प्रकार की बाध्य पर काबू पाने के लिये प्रभावशाली थे श्री एम० विश्वेशवरैया कहा करते थे कि हम में द्रुतगति से काम करने की प्रवृत्ति की कमी है। श्री टी० टी० कृष्णमाचारी उन लोगों में से थे जो शीघ्रता से काम करते थे। प्रतिरक्षा और आर्थिक समन्वय के कठिन कार्यों में उनकी बहुमुखी प्रतिभा सरकार के लिये बहुत लाभप्रद थी। अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने हमारे पक्ष को बहुत योग्यता से प्रस्तुत किया। श्री टी० टी० कृष्णमाचारी का व्यक्तित्व तटस्थ था। उनकी इच्छायें तथा अनिच्छायें प्रबल थीं और सम्भवत: इसी कारण वे विवाद खड़े करते थे। लेकिन उनकी मित्रता दल और सिद्धान्तों की सीमाओं को लांघकर एक प्रकार से निरन्तर होती थी। नये विचारों, पुस्तकों, विज्ञान तथा कला में रुचि रखने से वे एक प्रभावशाली वार्ताकार बन गये थे। इसके बावजूद वह एक एकान्तवासी थे।

मैं श्री टी० टी० कृष्णमाचारी को उनकी चर्चा परिचर्चा के कारण बहुत वर्षों से जानती आ रही हूं। दो भिन्न प्रकार के व्यक्तियों अर्थात् उनकी तथा पिताजी की मित्रता को देखकर मैं बहुत प्रसन्न होती थी। मुझे भी उनकी मित्रता तथा प्यार का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनके अनेक गुणों में मुझे उनकी निडरता और पहल करने की क्षमता बहुत सराहनीय लगी। हमारे राष्ट्रीय जीवन से एक महान व्यक्ति उठ गया है। ऐसी बहुमुखी प्रतिभा वाले मनुष्य बहुत कम होते हैं। मैं इस सदन में अपने दल तथा सरकार की ओर से श्री कृष्णमाचारी के परिवार तथा उनके मित्रों के बड़े परिवार के प्रति सहानुभूति तथा संवेदना प्रकट करती हूं। उनका निधन मेरी और सम्पूर्ण राष्ट्र की हानि है।

**श्री समर मुकर्जी** (हावड़ा) : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने दल की ओर से आप के तथा प्रधान मंत्री के द्वारा श्री टी० टी० कृष्णमाचारी के निधन पर व्यक्त की गयी संवेदना में शामिल होता हूं। मैं अनुरोध करता हूं कि आप हमारी संवेदनाओं को शोक संतप्त परिवार तक पहुंचायें।